सेवाओं का कार्यक्षेत्र

मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं हिमेटोलॉजी

- किमोथेरेपी
- इम्युनोथेरेपी
- बोन मेरो ट्रांसप्लांट
- पिडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी
- जीरियाट्रिक ऑन्कोलॉजी
- ऑन्कोलॉजी क्रिटिकल केर

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

- मुंह एवं गला
- स्तन
- जीआई, लंग एवं थोरैसिक
- सर्वाइकल एवं गायनेकोलॉजी
- प्रोस्टेट एवं जिनेटो-युरेनरी
- कोलोरेक्टल
- पेरिटोनियल
- ब्रेन, स्पाइन एंड बॉन
- लिवर एवं पैनक्रियाज

प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी

- रेडिएशन थेरेपी

न्यूक्लीयर मेडिसिन

- पेट सीटी
- स्पेक्ट
- हाई-डोज रेडियोन्युक्लाइड थेरेपी

पेइन एंड पेलीएटिव केर

एनेस्थेसियोलॉजी

डॉ. राजेन्द्र बगवाडे
डॉ. योगेश टांक
डॉ. धर्मेन्द्रसिंह चावडा
डॉ. जिग्नेश मोरी

कार्डियोलॉजी

डॉ. केतन वेकरिया

इन्टरनल मेडिसिन

डॉ. ऋषिकेश शाह

मेडिकल ऑन्कोलॉजी एंड हिमेटोलॉजी

मेडिकल ऑन्कोलॉजी एंड हिमेटोलॉजी

डॉ. पंकज शाह
डॉ. दिलीप श्रीनिवासन
डॉ. मिथुन शाह
डॉ. नहुष टहिलियाणी

बॉन मेरो ट्रांसप्लांट एंड हिमेटोलॉजी

डॉ. निधि जैन

ऑन्कोक्रिटिकल केर

डॉ. मृगांक भावसार

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

मुंह एवं गला

डॉ. महेश पटेल
डॉ. सिद्धार्थ शाह

जीआई, लंग एंड थोरैसिक

डॉ. महेश डी. पटेल

जीआई, पेरीटोनियल गायनेकोलॉजी

डॉ. अदिति भट्ट

स्तन कैंसर

डॉ. प्रियंका चिरिपाल

युरो ऑन्कोलॉजी

डॉ. मुकेश पटेल
डॉ. कमलेश पटेल
डॉ. कौस्तूभ पटेल

न्यूरो ऑन्कोलॉजी

डॉ. दीपक पटेल
डॉ. कल्पेश शाह

स्पाइन कैंसर

डॉ. हितेश मोदी

ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी

डॉ. जयमीन शाह

प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी

डॉ. रघुवीर सोलंकी
डॉ. जतीन कुमार भोजाणी

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी

डॉ. सदीप जैन

न्यूक्लीयर मेडिसिन

डॉ. सनी गांधी

पेइन मेनेजमेंट

डॉ. मिलन मेहता

रेडियोलॉजी

डॉ. अमी पंचाल
डॉ. श्वेता ठक्कर

ज़ायडस कैंसर सेंटर में की जाने वाली शल्यक्रियाएं :

- संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी
- स्तन संरक्षण शल्यक्रिया
- फ्लैप सहित विभिन्न ऑनकोप्लास्टिक स्तन शल्यक्रिया
- लोअर एक्सिलरी सैंपलिंग
- स्किनस्पेरिंग / निप्पलस्पेरिंग मास्टेक्टॉमी
- संपूर्ण स्तन पुनर्निर्माण (प्रत्यारोपण आधारित होने के साथ ओटोलोगस)
- निपल और एरोला पुनर्निर्माण
- स्तन का संकुचन / विस्तार

अपना एपॉइंटमेंट बुक करने के लिए, कॉल करें :
+91 72290 47022 / 21

ज़ायडस कैंसर सेन्टर
ज़ायडस हॉस्पिटल रोड, अेस.जी. हाईवे,
थलतेज, अहमदाबाद - 380 054, गुजरात.
बोर्ड लाइन: 079-71 666 000

Zydus Hospitals
Cancer Centre

स्तन कैंसर विभाग

स्तन कैंसर क्या है?

स्तन कैंसर वह रोग है जिसमें स्तन में कोशिकाएँ असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं और गुणित होती हैं। ऐसा कोशिका में कोशिका की वृद्धि नियंत्रित करने वाले जीनके ठीक से काम न करने पर होता है। फलस्वरूप, कोशिका अनियंत्रित रूप से विभाजित होती है जिससे ट्यूमर बन सकता है। आप त्वचा के नीचे गाँठ के रूप में इसे महसूस कर सकते हैं, या ऐसा भी हो सकता है कि आपको इसकी बिल्कुल भी अनुभूति नहीं हो, जब तक कि यह मैमोग्राम (स्तन एक्स-रे) जैसे इमेजिंग टेस्ट से पता नहीं लगता है।

स्तन कैंसर के लक्षण क्या हैं?

- स्तन में या उसके पास या बाँह के नीचे गाँठ या मोटापन
- स्तन की अस्पष्ट सूजन या सिकुड़न, विशेष रूप से केवल एक तरफ
- स्तन की डिम्पलिंग या सिकोडना
- तन के दूध से भिन्न निप्पल का स्राव (तरल पदार्थ) जो निप्पल निचोड़े बिना होता है
- स्तन की त्वचा में परिवर्तन, जैसे कि लालिमा, फ्लेकिंग, मोटा होना, या पिटिंग जो नारंगी की त्वचा की तरह दिखता है
- निप्पल जो धंसा हुआ (उल्टा), लाल, मोटा या पपड़ीदार हो जाता है

निप्पल का स्त्राव

स्तन के सभी या कुछ भागों में सूजन

निप्पल सिकुड़ना (अंदर की ओर मुड़ना)

त्वचा में जलन या डिंपलिंग

स्तन की निप्पल की या स्तन की त्वचा की लालिमा, पपड़ी या मोटापन

स्तन के निप्पल में दर्द

क्या आपको स्तन कैंसर होने का खतरा है?

जैसे-जैसे आपकी आयु बढ़ती है स्तन कैंसर होने का आपका जोखिम बढ़ जाता है। लगभग 80 प्रतिशत स्तन कैंसर 40 से अधिक आयु की महिलाओं में पाए जाते हैं - जिनमें से कई का कोई अन्य ज्ञात जोखिम कारक नहीं होता है। यदि आपका इस रोग का मजबूत पारिवारिक अतीत रहा है तो आपको स्तन कैंसर होनेकी दो से तीन गुना अधिक संभावना है, लेकिन केवल 5 से 10 प्रतिशत स्तन कैंसर विरासत में मिलते हैं।

आपके स्तन कैंसर की जाँच कितनी बार की जानी चाहिए?

- स्वास्थ्य देखभालकर्ता पेशेवर द्वारा 35 वर्ष की आयु से शुरू होने वाला वार्षिक नैदानिक स्तन परीक्षण
- 40 वर्ष की आयु से शुरू होने वाले वार्षिक मैमोग्राम

ध्यान रखें : यदि आपको इससे पहले या और अधिक बार जाँच या अतिरिक्त परीक्षणों की आवश्यकता है तो हमारे चिकित्सकों से कहें।

स्तन कैंसर के प्रकार क्या हैं?

- डक्टल कार्सिनोमा: सबसे आम, दुग्धनलिकाओं में बनता है
- लोबुलर कार्सिनोमा: स्तन की दूध पैदा करने वाली लोब्यूल्स में शुरू होता है
- अन्य: दुर्लभ रूप से, कैंसर स्तन के संयोजी ऊतक, एक प्रकार जिसे सरकोमा के रूप में जाना जाता है, या निप्पल की त्वचा में शुरू हो सकता है — पेजेट्स रोग

स्तन कैंसर के चरण क्या हैं?

यदि आपको स्तन कैंसर है, तो चरण की जानकारी होने से आपकी उपचार योजना का मार्गदर्शन करने में सहायता मिलती है। स्तन कैंसर आमतौर पर रोमन अंक 0 (शुरुआती चरण) से लेकर चतुर्थ (सबसे उन्नत चरण) चरण तक होता है। कैंसर के चरण आधारित हैं:

- कैंसर आक्रामक है या गैर-आक्रामक है
- ट्यूमर का आकार
- क्या कैंसर लिम्फनोड्स तक फैल गया है (मेटास्टेसाइज्ड) और यदि हाँ, तो उनमें से कितने तक
- क्या कैंसर शरीर के अन्य भागों में फैल गया है, जैसेकि फेफड़ा या लीवर

स्तन कैंसर के उपचार क्या हैं?

यदि नैदानिक स्तन परीक्षण, मैमोग्राम, या किसी अन्य इमेजिंग टेस्ट से आपके स्तन में संदिग्ध परिवर्तन का पता चलता है, अगला कदम आम तौर पर बायोप्सी होता है। बायोप्सी ही वह एकमात्र परीक्षण है जिससे स्तन कैंसर की निश्चित पहचान हो सकती है। इसमें आपके स्तन ऊतक का नमूना लेना शामिल है, जिसकी पैथोलॉजिस्ट (वह चिकित्सतक जिसे विशेष रूप से रोग की पहचान करने के लिए प्रशिक्षण मिला होता है) द्वारा कैंसर कोशिकाओं की माइक्रोस्कोप के नीचे जाँच की जाती है।

स्तन कैंसर का उपचार करने के कई तरीके हैं, जो प्रकार और चरण पर निर्भर करते हैं, जिनमें शामिल हैं:

- सर्जरी
- रेडिएशन थेरेपी
- कीमोथेरेपी, हार्मोन थेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी

ऑनकोप्लास्टिक ब्रेस्ट सर्जन

डॉ. प्रियंका चिरीपाल

MS (Gold Medalist)
Fellow Breast Surgery
(TMH, Mumbai)
Oncoplasty Training (USA, UK)

स्तन कैंसर के उपचार के लिए जाइडस कैंसर सेंटर क्यों?

हमारे विशेषज्ञ सबसे कुशल विशेषज्ञ हैं और नवीनतम दिशानिर्देशों का पालन करते हैं ताकि स्तन कैंसर से पीडित महिलाओं को बार-बार सर्जरी न करवाना पड़े।

- सहृदय और विशेष रूप से प्रशिक्षित स्तन कैंसर चिकित्सक जो विभिन्न विशेषज्ञताएं रखते हैं, जिनमें स्तन सर्जरी, स्तन पुनर्निर्माण, रेडियोलॉजी, कीमोथेरेपी, पैथोलॉजी, और लक्षण भी शामिल हैं।
- जिन महिलाओं को स्तन कैंसर होने का जोखिम अधिक है उनके लिए हमारे स्क्रीनिंग कार्यक्रम के माध्यम से व्यक्तिगत स्तन कैंसर जाँच और निगरानी की योजना है। इसमें वंशानुगत कैंसर के लिए जेनेटिक काउंसलिंग और जाँच भी शामिल हो सकता है।
- पूर्णकालिक समर्पित विशेषज्ञ ताकि वर्षभर 24x7 सेवाएं प्रदान की जा सकें। सबसे अच्छा परिणाम प्राप्त करने के लिए सभी कैंसर का उप-विशेषज्ञता आधारित उपचार।